तक चल रही है। मैं निवेदन करूंगा कि इस संबंध में शीघ्रातिशीघ्र व्यवस्था की जाए।

Ferry disaster in Maniharighat of Katihar district of Bihar

श्री रजनी रंजन साहू (बिहार) : महोदया, इस विशेष उल्लेख के जरिए मैं एक बहुत ही दुखद घटना, जो विगत 6 अगस्त को कटिहार जिले के मनिहारी घाट में हुई, की ओर आकृष्ट करना चाहूंगा। इस घटना में एक स्टीमर के डूबने से 300 से 500 लोगों के मरने की खबर है। हालांकि बिहार सरकार बड़ी तत्परता से तथ्यों की जांच करा रही है, कमीशन भी बैठाया है, लेकिन इस तरह से कमीशन बैठाने से या तथ्यों की जांच कराते रहने के बाद भी जो घटनाएं घटती रहती है, क्या उन्हें रोकने की व्यवस्था की जा रही है? मैं मानता हूं कि औपचारिकता के नाते यह आवश्यक है, लेकिन यह भी आवश्यक है कि मरने वालों के परिवारों को समुचित राहत पहुंचाई जाए, कमीशन द्वारा जो जांच हो उस पर कार्यवाही की जाए। इसमें चिंता का विषय यह है कि जो निजी स्टीमर हैं, उन्हें चलाने की इजाजत सरकार किन शर्तों पर देती है और यह कैसे चलते हैं, इसकी व्यवस्था कैसे की जाती है, इसमें कितने यात्री सवार होने चाहिएं, इसका कोई नियम है या नहीं, इन सारी बातों की छानबीन होनी चाहिए क्योंकि जो निजी लोग इस तरह का स्टीमर चलाते हैं, वह व्यवस्था अपने आप में दोषपूर्ण है।

महोदया, यह इस तरह के निजी स्टीमर पहले पटना से पालेजाघाट पर चलाए जाते थे, जो पुल बनने के बाद बंद हो गए और वहां से जो पुराने स्टीमर है, जितने ब्रेक स्टीमर हैं, उन्हें उस मनिहारी घाट की तरफ निजी लोगों ने अब चलाना शुरू कर दिया है। उस पर कोई रोकथाम नहीं है कितने लोग बैठेंग। महोदया, मेरा निजी अनुभव है कि जब पटना से पलेचा घाट के ऊपर इस तरह का स्टीमर चलाया जाता था तो उसमें जानवरों की तरह से इंसानों को भरा जाता था और स्टीमर चलाने वाले पैसे लिये बिना किसी प्रकार का अंकुश रखते हुये सवारियां चढ़ा देते थे। इस तरह की एक दुर्घटना काफी दिनो पहले भी हुई थी।

महोदया, मैं सरकार से निवेदन करना चाहूंगा कि अभी बिहार में जो निजी स्टीमर्स चलाये जाते है, उनकी फिटनेस की जाच की जाय और केवल 'सक्षम स्टीमर्स को ही चलाये जाने की इजाजत दी जाये। दूसरी बात, ध्यान देने की यह है कि जो स्टीमर की कैपेसिटी है उससे ज्यादा यात्री न चढ़ सकें, इसके लिये व्यवस्था करना भी परमावश्यक है। महोदया, यह जो दुर्घटना हुई है इसमें लोगों की लाश मिलना भी मुश्किल हो गया है। हजारों लोग अपने संबंधियों के शवों के लिये घाट के किनारे प्रतीक्षारत खड़े हैं। मैं सरकार से अपेक्षा करूंगा कि वह इस बारे में तत्काल कदम उठायेगी और भविष्य में दोषरहित स्टीमर्स को चलाये जाने की एक सुनियोजित व्यवस्था करेगी। धन्यवाद।

उपसभापति : श्री गोपालसामी।

श्री राम चन्द्र विकल (उत्तर प्रदेश) : महोदया, मेरा व्यवस्था का प्रश्न है।

उपसभापति : यह व्यवस्था का प्रश्न नही है। मुझे मालूम है कि आप क्या कहना चाहते हैं।

श्री राम चन्द्र विकल : महोदया, मेरी सुन तो लें*

THE DEPUTY CHAIRMAN: No; I am not permitting you You cannot raise it in this way. It will not go on record.

यह यहां डिसाइड नहीं होता है। यह यहां पूछ नहीं सकते आप वही स्पेशल मेंशन आते हैं, जिनको कि एलाउ किया जाता है।

श्री राम चन्द्र विकल :*

*Not recorded.

उपसभापति : यह मामला आप यहां उठा नहीं सकते। आप गलत ढंग से उठा रहे हैं। आप बहुत सीनियर मेम्बर हैं। आप रूल्स को समझिये। कृपा करके बैठ जाइये।

Now Mr. Gopalsamy. When I called the names of honourable Members, they were not present in the House for their Special Mentions. Now since you have made a request, I am allowing you as a special dispensation. But hereafter you should be careful and you should be present in the House.

Demand to Link Karur-Dindigal Railway Line with Madurai Division in Tamil Nadu

SHRI V. GOPALSAMY (Tamil Nadu): Madam, Deputy Chairman, I am extremely thankful to you for giving me this opportunity. I would like to draw the attention of the Government to a matter which has caused concern in the minds of the people of Tamil Nadu. The decision of the Railway Ministry has done an unpardonable wrong against the interests of Tamil Nadu. Madam, we have been demanding this Karur-Dindigul-Madurai-Maniyachi — Tuticorin railway line for more than two decades. Of course, our honourable Prime Minister also went there to inaugurate the line between Karur and Dindigul. This is a small stretch of the whole project. When it was sanctioned some seven years back, the then honourable Minister of Finance, Shri R. Venkataraman, because he was from Tamil Nadu, assured in a function that this would be completed within five years. Madam, this line has been constructed within the jurisdiction of the Madurai Division and it is in the Madurai Division area. Now, the Ministry of Railways has decided to annex this line with the Palghat Division in order to help the Trivandrum Division. I have no objection to the Trivandrum Division being helped and they can open new lines. But, in order to strengthen the line strength of the Trivandrum Division, they are delinking one Shoranur line from the Palghat Division and annexing it with the Trivandrum Division. Therefore, they are now gong to annex this newly construtced line in our Madurai Division area with the Palghat Division. This will create unnecessary hardships and inconvenience to the railway employees there. Therefore, Madam, the railway employees belonging to different unions held demonstrations before the Madurai Divisional Office for the past one year to request the Railway Ministry to include this newly constructed line in the jurisdiction of the Madurai Division.

Madam, when a line was constructed between Tirunelveli and Kanniyakumari, that was annexed with the Trivandrum Division and that caused a lot of resentment among the people of Tamil Nadu and an agitation was started which went on for seven days when no train was allowed to move between Madurai and Tirunelveli. A delegation also came here to meet the then Railway Minister, Shri Kamlapati Tripathi, to put forward our demand that this railway line between Tirunelveli and Kanniyakumari should be with Madurai Division only. It was stated at that time that since this line was an MG line and was being constructed on a temporary basis, it was being annexed with the Trivandrum Division, but, in the long run, it would be annexed with the Madurai Division. But now this Broad Gauge line has been constructed between Karur and Dindigul. But the assurances given by the then Railway Minister have been thrown into the dustbin and this newly constructed BG line is also being annexed with the Palghat Division. It will create a lot of problems, Madam.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please conclude. Your time is over.